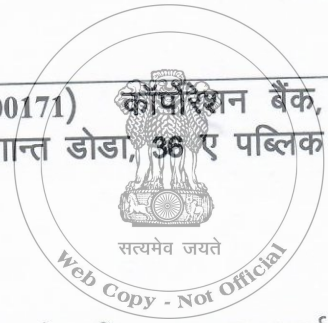


6.01.19

विविध बैंक प्रकरण सं0 91/2018(RCMS : 2018/00171) कॉर्पोरेशन बैंक, श्रीगंगानगर बनाम 1. मैसर्स निशु फ़ैबरीक 2. श्री निशान्त डोडा, 36 ए पब्लिक पर्का, दुकान नं 14, श्रीगंगानगर



06.02.2019

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक की ओर से श्री भागचन्द शर्मा अधिकृत कार्यकर्ता उपस्थित है। प्रार्थी बैंक के अधिकृत कार्यकर्ता द्वारा प्रार्थना की है कि अप्रार्थीगण मैसर्स निशु फ़ैबरीक एवं प्रो. श्री निशान्त डोडा द्वारा बैंक से प्राप्त ऋण का भुगतान न किये जाने के कारण ऋण की एवज में अप्रार्थी निशान्त डोडा ऋणी द्वारा बंधक रखी गई सम्पत्ति दुकान नं 14, प्लॉट नं 36, नियर महावीर शॉपिंग सेंटर, पब्लिक पार्क, श्रीगंगानगर का भौतिक कब्जा प्राप्ति के लिए धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया हुआ है। अब इस प्रकरण में प्रार्थी बैंक किसी प्रकार से आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहता हैं और यदि प्रकरण में इसी स्टेज पर कार्यवाही समाप्त कर दी जाती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

मैंने उक्त तर्कों पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया तो पाया कि दिनांक 04.09.2018 को एक प्रार्थना पत्र प्रार्थी कॉर्पोरेशन बैंक श्रीगंगानगर के द्वारा धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अन्तर्गत श्री निशान्त डोडा के विरुद्ध पेश कर, ऋण की सुरक्षा की एवज में बंधक रखी गई सम्पत्ति दुकान नं 14, प्लॉट नं 36, नियर महावीर शॉपिंग सेंटर, पब्लिक पार्क, श्रीगंगानगर का भौतिक कब्जा दिलवाने के लिए प्रस्तुत किया था और अब प्रार्थी बैंक के अधिकृत कार्यकर्ता द्वारा यह प्रार्थना की गई है कि इस प्रकरण में वे किसी प्रकार से आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं इसलिए यदि इस प्रकरण को इसी आधार पर खारिज कर दिया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

जिला मजिस्ट्रेट

श्री बंभानगर

चूंकि अब प्रार्थी कॉर्पोरेशन बैंक, श्रीगंगानगर इस प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता है इसलिए उनके द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना दिनांक 04.09.2018 को इसी आधार पर खारिज किया जाता है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक को भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफ्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 06.02.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(शिवप्रसाद मेदन नकाते)
जिला माजस्ट्रेट
श्री गंगानगर